कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष: 65 अंक: 4 मुम्बई मार्च 2021

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

वर्ष: 65 अंक-4 मुम्बई मार्च 2021

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
स्मिता जी. नायर

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
वरिष्ठ कलाकार
संजय सोमदे

कलाकार
चंद्रशेखर पुनवटकर, दिलीप पालकर

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार 03-25

18 राज्यों के 50 स्फूर्ति क्लस्टरों का सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री द्वारा उद्घाटन.....
"आत्मनिर्भर भारत" और "कचरे से धन अर्जन" के लिए बड़ा प्रोत्साहन .....
मन की बात में प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेख किए जाने के बाद लोग तवांग के मोनपा हस्तनिर्मित कागज का संरक्षण कर रहे हैं .....
32 वर्ष पूर्व व्याप्त उग्रवाद से नष्ट ऐतिहासिक खादी संस्था को केवीआईसी ने असम में पुनर्जीवित किया.....
एमएसएमई मंत्री ने गांवों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नवोन्मेषी एवं परिवर्तनकारी नीतियां बनाने का आह्वान किया.....
गाय के गोबर से खादी प्राकृतिक पेंट का बनता आधार; केवीआईसी ने पीएमईजीपी के तहत 6 महीने में 500 नए संयंत्र की स्थापना की.....
केवीआईसी द्वारा दिल्ली पुलिस को खादी सिल्क साड़ियों की आपूर्ति की शुरुआत.....
बापू की पुण्यतिथि पर आयोग ने मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल में 1650 खादी कारीगरों को सशक्त बनाया.....
खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र में सरकार की पहल.....
खादी का विकास सुदृढ़ है.....
इम्पीरियल एस्टेट, गुवाहाटी में 11वें वार्षिक मेगा इवेंट 'सेलिब्रेटिंग नार्थ ईस्ट' का आयोजन....
मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी द्वारा राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी आयोजित .....
हुबली में पीएमईजीपी की समीक्षा बैठक आयोजित .....
देहरादून में 'हनी एक्स्ट्रेक्टर व टूल्स किट' वितरित.....
पंजाब जेल के कैदियों को कताई में प्रशिक्षण देने के लिए बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र, दहानू की पहल.....
जम्मू और कश्मीर में केवीआईसी ने पीएमईजीपी के तहत 100 % से अधिक लक्ष्य प्राप्त किया.....
प्रशिक्षण और कार्यशाला.....
इन्होंने अपनी एक अलग सोच से एक सफ़ल उद्यमी बनने का मार्ग प्रशस्त किया .....

मीडिया कवरेज 26-29

पारंपरिक शिल्प में 42,000 से अधिक कारीगरों को संबल प्रदान करने वाले

18 राज्यों के 50 स्फूर्ति क्लस्टरों का सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री द्वारा उद्घाटन

22 फरवरी 2021, दिल्ली: एमएसएमई मंत्री ने कहा कि ग्रामीण उत्पादों को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन की मदद से बेहतर डिज़ाइन किया जाना चाहिए, और उच्च बिक्री हासिल करने के लिए बेहतर विपणन भी किया जाना चाहिए।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने 22 फरवरी, 2021 को 18 राज्यों में फैले 50 कारीगरों पर आधारित स्फूर्ति क्लस्टरों का उद्घाटन किया। कल उद्घाटन किए गए 50 क्लस्टरों में, 42,000 से अधिक कारीगरों को मलमल, खादी, कॉयर, हस्तकला, हथकरघा, लकड़ी के शिल्प, चमड़े, मिट्टी के बर्तन, कालीन बुनाई, बांस, कृषि प्रसंस्करण, चाय, आदि के पारंपरिक क्षेत्रों में संबल मिला है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने इन 50 क्लस्टरों के विकास के लिए लगभग 85 करोड़ रुपये की धनराशि दी है। है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय पारंपरिक उद्योगों और कारीगरों को समूहों में संगठित करने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से पारंपरिक उद्योगों (कारीगरों) को पुनर्जीवित करने के लिए फंड ऑफ रिजेनरेशन ऑफ ट्रेडिशनल इंडस्ट्रीज (एसएफयूआरटीआई) को कार्यान्वित कर रहा है।

क्लस्टरों का उद्घाटन करते हुए, श्री गडकरी ने कहा कि उपभोक्ताओं को किस प्रकार के ग्रामोद्योगी उत्पादों की आवश्यकता है, और इन उत्पादों को कैसे आकर्षक रूप से डिजाइन कर बाजार में लाया जा सकता है इस बात पर अधिक शोध किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि पारंपरिक उत्पादों के डिजाइन और आकर्षण में सुधार के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद से संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और विदेशों दोनों में इन उत्पादों को प्रभावी ढंग से बाजार में लाने के लिए अमेज़न या अलीबाबा की तर्ज पर एक वेब पोर्टल की भी आवश्यकता है।

माननीय मंत्री ने इस तरह के क्लस्टरों के स्थापना की गति को बढ़ाने की आवश्यकता भी बताई, क्योंकि 371 में से केवल 82 वास्तव में कार्य कर रहे हैं, और कहा कि यदि लाल फीता शाही

को कम किया जा सके तो 5,000 क्लस्टरों का लक्ष्य आसानी से प्राप्त हो सकता है।

माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री, श्री प्रताप चंद्र सारंगी; सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सचिव, श्री बी.बी. स्वैन, संसद सदस्य, स्थानीय विधायक तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में क्लस्टरों का उदघाटन किया गया।

इस अवसर पर माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री, श्री सारंगी ने कहा कि क्लस्टर की स्थापना से पारंपरिक कारीगरों में आत्म विश्वास आता है, और आर्थिक नीति के मूल में गांवों को रखने की सरकार की रणनीति का यह हिस्सा है।

इन क्लस्टरों का उद्घाटन आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, नागालैंड, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में किया गया है। पृष्ठभूमि

आज की तारीख तक, 371 क्लस्टर हैं, जिन्हें मंत्रालय द्वारा सरकारी सहायता के रूप में 888 करोड़ रुपये की वित्त पोषित कारते हुए 2.18 लाख कारीगरों संबल प्रदान कर रहा है। योजना के तहत 708 करोड़ रुपये से अधिक का बजटीय आवंटन किया गया है, जिसमें से 567 करोड़ रुपये से अधिक अब तक योजना के कार्यान्वयन के लिए जारी किए जा चुके हैं। ये क्लस्टर 248 जिलों को कवर करते हुए पूरे देश में फैले हुए हैं। मंत्रालय का लक्ष्य आने वाले समय में प्रत्येक जिले में कम से कम 1 क्लस्टर का सपोर्ट करना है।

स्फूर्ति क्लस्टर दो प्रकार के होते हैं अर्थात, रेगुलर क्लस्टर (500 कारीगर) जिनकी सरकारी सहायता रु. 2.5 करोड़ और मेजर क्लस्टर (500 से अधिक कारीगर) हैं जिनकी सरकारी सहायता रु. 5 करोड़ तक है। कारीगर एसपीवी में संगठित हैं जो (i) सोसायटी (पंजीकरण) अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत सोसायटी, (ii) एक उपयुक्त क़ानून के तहत सहकारी समिति, (iii) धारा 465 (1) के तहत एक निर्माता कंपनी हो सकती है। कंपनी अधिनियम, 2013 (18 का 2013), (iv) कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत एक धारा 8 के अंतर्गत कंपनी (2013 का 18) अथवा (v) एक ट्रस्ट।

इस योजना के तहत, मंत्रालय विभिन्न सुविधा केंद्रों (सीएफसी) के माध्यम से बुनियादी ढांचे की स्थापना, नई मशीनरी की खरीद, कच्चे माल के बैंक बनाने, डिजाइन हस्तक्षेप, बेहतर पैकेजिंग, विपणन में सुधार के बुनियादी ढांचे, बेहतर कौशल और प्रशिक्षण के लिए क्षमता विकास सहित विभिन्न हस्तक्षेपों और एक्सपोज़र विज़िट, आदि में सहायता प्रदान करता है। । इसके अलावा, योजना हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के साथ क्लस्टर नियमन प्रणालियों को मजबूत करने पर केंद्रित है, ताकि वे उभरती चुनौतियों और अवसरों का आकलन करने में सक्षम हों तथा नवीन और पारंपरिक कौशल, बेहतर प्रौद्योगिकियों के निर्माण , उन्नत प्रक्रियाओं, बाजार खुफिया और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के नए मॉडल के माध्यम से उन्हें जवाब दे सकें, ताकि क्लस्टर-आधारित पारंपरिक उद्योगों के समान मॉडल को क्रमशः दोहराया जा सके।

वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों और समूहों की संख्या इस प्रकार है:

मुख्य क्षेत्र	हस्तकला	कॉयर	बांस	शहद	खाद्य प्रसंस्करण	खादी	अन्य	कुल
स्वीकृत समूह	145	41	33	25	59	10	58	371

माननीय केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 22 फरवरी, 2021 को विडियों कॉंफ्रेसिग के माध्यम से महाराष्ट्र के सतारा जिले में महाबलेश्वर मधुमक्खीपालन क्लस्टर तथा बीड जिले में बंजारा क्लस्टर का उद्घाटन किया गया । इस कार्यक्रम में जिला कलेक्टर, बीड और मालेगांव के माननीय सांसद उपस्थित थे ।

"आत्मनिर्भर भारत" और "कचरे से धन अर्जन" के लिए बड़ा प्रोत्साहन

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा असम में अगरबत्ती स्टिक बनाने की इकाई का उद्घाटन

भारतीय अगरबत्ती उद्योग को मजबूत करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के सतत प्रयासों ने असम के साथ स्वीकृत परिणाम की शुरुआत की है।

18 फरवरी 2021, दिल्ली : सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से असम में बाजाली जिले में "केशरी जैव उत्पाद एलएलपी" नाम से एक प्रमुख बांस अगरबत्ती स्टिक बनाने की इकाई का उद्घाटन किया। इस अवसर पर असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल और केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना उपस्थित थे।

यह इकाई "आत्मनिर्भर भारत" बनने की दिशा में एक बड़ा कदम है और अगरबत्ती बनाने के अलावा "कचरे से धन अर्जन" का एक उपयुक्त उदाहरण है। इसमें अपशिष्ट बांस का एक बड़ी मात्रा का उपयोग जैव-ईंधन और विभिन्न तरह के अन्य उत्पादों को बनाने में किया जाता है। 10 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित, अगरबत्ती स्टिक बनाने की इकाई 350 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगी, जबकि 300 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

असम में इन इकाइयों की स्थापना चीन और वियतनाम से कच्ची अगरबत्ती के आयात पर प्रतिबंध के मोदी सरकार के फैसले के मद्देनजर और अगरबत्ती के लिए गोल बांस की छड़ पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी के मद्देनजर काफी महत्व रखती है। इन दो फैसलों को दो देशों से अगरबत्ती और बांस की लकड़ियों के आयात पर अनिवार्य रूप से रोक लगाने के लिए लिया गया था, जिन्होंने भारतीय अगरबत्ती उद्योगों को पंगु बना दिया था।

श्री नितिन गडकरी और केवीआईसी के अध्यक्ष विनय सक्सेना ने इन दोनों वस्तुओं के आयात पर अंकुश लगाने के लिए काफी प्रयास किए थे। परिणामस्वरूप, भारत में अगरबत्ती निर्माण की सैकड़ों बंद इकाइयां पिछले डेढ़ वर्षों में पुनर्जीवित हुईं और लगभग 3 लाख नए रोज़गार पैदा हुए हैं। केशरी जैव उत्पाद

एलएलपी पहली बड़ी परियोजना है जो इन नीतिगत फैसलों के बाद आई है।

श्री गडकरी ने असम में नई बांस की छड़ की इकाई बनने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे स्थानीय अगरबत्ती उद्योग को मजबूत करने में काफी मदद मिलेगी। उन्होने कहा कि इस क्षेत्र में स्थानीय रोजगार सृजन की बहुत बड़ी संभावना है। श्री गडकरी ने कहा, "यह आत्मनिर्भर भारत का सबसे उपयुक्त उदाहरण है, जिसका उद्देश्य स्थानीय रोजगार और स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करना है।"

असम के माननीय मुख्यमंत्री ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह विनिर्माण इकाई पूरे राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय सक्सेना ने कहा कि कच्ची अगरबत्ती के आयात पर प्रतिबंध और बांस की अगरबत्ती पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी से भारत में रोजगार के बड़े अवसर पैदा हुए हैं और इन नई इकाइयों का उद्देश्य इस अवसर को भुनाना है। श्री सक्सेना ने कहा, "अगरबत्ती उद्योग भारत के ग्राम उद्योग का एक प्रमुख कार्य क्षेत्र है जो 10 लाख से अधिक कारीगरों को रोजगार देता है। नई अगरबत्ती और बांस की छड़ बनाने वाली इकाइयां आने से, पिछले डेढ़ साल में इस क्षेत्र में लगभग 3 लाख नई नौकरियां पैदा हुई हैं। इस अवसर से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए, केवीआईसी ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के माध्यम से भारत के स्थानीय अगरबत्ती उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए खादी अगरबत्ती आत्मनिर्भर मिशन नामक एक कार्यक्रम भी शुरू किया है। उन्होंने कहा कि नई अगरबत्ती बनाने की इकाई असम में बांस के विशाल उद्योग को भी मजबूती प्रदान करेगी।

यह उल्लेखनीय है कि अगरबत्ती की छड़ें बनाने के लिए केवल 16 प्रतिशत बांस का उपयोग किया जाता है, जबकि शेष 84 प्रतिशत बांस बेकार चला जाता है। हालांकि, केशरी जैव उत्पाद एलएलपी द्वारा नियोजित विविध प्रौद्योगिकी के साथ, बांस के प्रत्येक टुकड़े को उपयोग में लाया जाता है। मीथेन गैस के उत्पादन के लिए अपशिष्ट बांस को जलाया जाता है जिसे वैकल्पिक ईंधन के रूप में डीजल के साथ मिलाया जाता है। जले हुए बांस का उपयोग अगरबत्ती और ईंधन के रूप में उपयोग के लिए लकड़ी का कोयला पाउडर बनाने के लिए भी किया जाता है। अपशिष्ट बांस का उपयोग आइसक्रीम-स्टिक, चॉपस्टिक, चम्मच और अन्य वस्तुओं को बनाने के लिए भी किया जाता है।

वर्तमान में, भारत में अगरबत्ती की खपत 1490 टन प्रति दिन आंकी गई है, लेकिन स्थानीय स्तर पर प्रतिदिन केवल 760 टन का उत्पादन होता है। इसलिए, मांग और आपूर्ति के बीच भारी अंतर के परिणामस्वरूप कच्ची अगरबत्ती का भारी मात्रा में आयात हुआ। नतीजतन, कच्ची अगरबत्ती का आयात 2009 में सिर्फ 2 प्रतिशत से बढ़कर 2019 में 80 प्रतिशत हो गया।

मन की बात में प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेख किए जाने के बाद लोग तवांग के मोनपा हस्तनिर्मित कागज का संरक्षण कर रहे हैं

04 फरवरी 2021, दिल्ली: प्रधानमंत्री द्वारा अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में विशेष रूप से उल्लेख करने के बाद 1000 वर्ष पुरानी धरोहर मोनपा हस्तनिर्मित कागज या "मोन शुगु" की बिक्री गति पकड़ रही है। 25 दिसंबर 2020 को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में इस प्राचीन कला को पुनर्जीवित करने वाले खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मोनपा हस्तनिर्मित कागज को ऑनलाइन बिक्री के लिए ई-पोर्टल www.khadiindia.gov.in पर उपलब्ध करवाया है।

अपने लॉन्च के पहले दिन मोनपा हस्तनिर्मित कागज की 100 से अधिक शीट बिक्री हैं। इनके ऑर्डर महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से मिले। प्रधानमंत्री द्वारा इस प्राचीन कला के बारे में बात करने के बाद, तवांग में प्रशिक्षित स्थानीय कारीगरों द्वारा हस्तनिर्मित इस कागज को 31 जनवरी, 2021 को ऑनलाइन बिक्री के लिए रखा गया था। मोनपा हस्तनिर्मित कागज न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देता है, बल्कि यह स्थानीय कारीगरों के लिए आय के नए रास्ते भी खोल रहा है। इस हस्तनिर्मित कागज की लंबाई 24 इंच और चौड़ाई 16 इंच होती है जिसकी कीमत 50 पैसे प्रति शीट के किफायती दाम पर तय की गई है।

केवीआईसी के चेयरमैन श्री विनय कुमार सक्सेना ने इस अवसर पर कहाकि अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता के कारण मोनपा हस्तनिर्मित कागज के लिए भारत और विदेशों के बाजार में काफी संभावनाएं हैं। इसकी ऑनलाइन बिक्री के पहले दिन हमें 100 शीट्स से भी ज्यादा के ऑर्डर मिले हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील इस कागज को निश्चित रूप से लोगों के बीच लोकप्रिय बना देगी। हम मोनपा हस्तनिर्मित कागज के लिए नए बाजार की तलाश करेंगे जो कि अरुणाचल प्रदेश में इस उद्योग और स्थानीय कारीगरों को मजबूत करेगा।

इस कला के पुनरुद्धार को अहम माना जा रहा है कि क्योंकि एक समय तवांग के सभी घरो में मोनपा हस्तनिर्मित कागज का उत्पादन किया जाता था और फिर इसे तिब्बत, भूटान, म्यांमार और जापान जैसे कई अन्य देशों में निर्यात किया जाता था। हालांकि नई तकनीक के आने के साथ,पिछले 100 सालों में हस्तनिर्मित कागज का यह उद्योग लगभग विलुप्त हो गया था।

विशेषतः मोनपा हस्तनिर्मित कागज तवांग में स्थानीय रूप से उगाए जाने वाले पेड़ शुगु शेंग की छाल से बनाया जाता है और विशिष्ट पारभासी रेशेदार बनावट से पहचाना जाता है। यह कागज भारहीन होता है लेकिन इसके प्राकृतिक रेशे इसमें लचीली मजबूती लाते हैं जो इसे विभिन्न कलात्मक कार्यों के लिए उपयुक्त कागज बनाता है। मोनपा हस्तनिर्मित कागज का उपयोग बौद्ध धर्मग्रंथों, पांडुलिपियों को लिखने और प्रार्थना ध्वजों को बनाने में किया जाता था। इस पेपर पर लिखावट क्षति रहित मानी जाती है। तवांग में बनाए गए मोनपा हस्तनिर्मित कागज उद्योग का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को इस कला से पेशेवर रूप में जोड़ना और कमाना है।

शुरू में इस पेपर यूनिट में 9 कारीगर लगे हैं जो प्रतिदिन मोनपा हस्तनिर्मित कागज के 500 से 600 शीट का उत्पादन कर सकते हैं। यह कारीगर प्रतिदिन 400 रुपये की आय कमाएंगे। इसे शुरू करने के लिए स्थानीय गांव से 12 महिलाओं और 2 पुरुषों को मोनपा हस्तनिर्मित कागज बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

31 जनवरी, 2021 को: अध्यक्ष केवीआईसी ने माननीय प्रधान मंत्री को मोनपा हस्तनिर्मित कागज के विशेष उल्लेख और खादी की पहल के लिए उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। पिछले महीने तवांग में केवीआईसी द्वारा इस प्राचीन कला का पुनरुद्धार ऐतिहासिक है जिसका उद्देश्य धरोहरों को संरक्षित करना, पारिस्थितिकी की रक्षा करना और रोजगार का सृजन करना है।

बजट 2021 पेश करने से पहले माननीय वित्त मंत्री की टीम द्वारा तिरंगा खादी फेस मास्क लगाते हुए दिखाई देने का मनमोहक दृश्य ।

माननीय वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण को बहुत कुछ प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। खादी कारीगरों के परिश्रम को सुशासन के उच्च स्तर पर मान्यता मिलने पर यह एक उत्साहजनक है।

32 वर्ष पूर्व व्याप्त उग्रवाद से नष्ट ऐतिहासिक खादी संस्था को केवीआईसी ने असम में पुनर्जीवित किया

56 वर्षों की अवधि में असम की सबसे पुराने खादी संस्थाओं में से एक खादी संस्था के लिए यह एक नया जीवन चक्र रहा है, इस संस्था का 1964 में महान लोकनायक जय प्रकाश नारायण द्वारा उद्घाटन और 1989 में बोडो उग्रवादियों द्वारा इन्हें नष्ट कर दिया गया, जब असम के बक्सा जिले के कवाली गांव में खादी वर्कशेड, कताई और बुनाई गतिविधियों और 60 परिवारों को प्रत्यक्ष रोजगार के साथ जीवन पुनः अपने स्वरुप में वापस लौट आया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग को धन्यवाद जिसने खादी वर्कशेड को पुनर्जीवित किया और यहां चरखे और करघे वितरित किए। केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना द्वारा पुनर्जीवित सामूहिक वर्कशेड का उद्घाटन किया गया। यह संस्था लगभग 32 वर्षों तक बोडो उग्रवाद द्वारा बर्बरता से दिए गए दागों को झेलती रही।

इस सामूहिक कार्यशेड का पुनरुद्धार पूरे राज्य के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि यह कई जातीय समूहों

जैसे बोरो, मिसिंग, असमिया, बंगाली और अन्य लोगों के जरूरतों को पूरा करता है। इस केंद्र ने असम के सुरुचिपूर्ण एरी सिल्क और अन्य सूती वस्त्रों की कताई, बुनाई और रीलिंग गतिविधियों के साथ संचालन शुरू किया है और बाद में विभिन्न अन्य खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों जैसे कच्ची घानी सरसों का तेल और अन्य ग्रामोद्योगी उत्पादों का उत्पादन इत्यादि शुरु किया जायेगा।

आयोग के अध्यक्ष ने आगे कहा कि स्थानीय कारीगरों को 100 चरखे, करघे और अन्य उपकरण प्रदान किए जाएंगे जो न केवल इस खादी संस्था को संबल प्रदान करेंगे बल्कि स्थानीय कारीगरों को स्वरोजगार और स्थायी आय के माध्यम से सशक्त बनाएंगे। "इस खादी सामूहिक वर्कशेड का पुनरुद्धार ऐतिहासिक है । केवीआईसी इस इकाई को मजबूत करने के लिए सभी बुनियादी ढांचे की अवसंरचना को सुनिश्चित करेगा और बहुत जल्द ही इस क्षेत्र में स्थानीय कारीगरों के लिए यह एक प्रमुख रोजगार सृजक केन्द्र बन जाएगा। अगले कुछ महीनों में, यह केंद्र लगभग 200 और कारीगर परिवारों को रोजगार प्रदान करेगा ।

यह पहल खादी के "ग्रामीण पुनरुत्थान" के मंत्र के साथ शुरू हुई है, जो माननीय प्रधान मंत्री के विजन - 'सबका साथ, सबका विकास,' को चरितार्थ करता है।

इस वर्कशेड का निर्माण तामुलपुर आंचलिक ग्रामदान संघ नामक खादी संस्था द्वारा किया गया, 1962 में चीनी आक्रमण के पश्चात्, इसे अरुणाचल प्रदेश से असम स्थानांतरित किया गया था। इसने सरसों के तेल उत्पादन के साथ परिचालन शुरू किया और 1970 तक कताई और बुनाई की गतिविधियाँ भी शुरू हो गई थी, जिसके माध्यम से सैकड़ों कारीगर परिवारों को आजीविका प्रदान की जा रही थी। हालांकि, वास्तविक त्रासदी तब हुई जब 1989 में संस्था उग्रवादियों द्वारा जला दी गई थी और तब से यह संस्था बंद रही।

यह खादी संस्था गुवाहाटी से 130 किलोमीटर दूर स्थित कावली गाँव में स्थित है, वहां केवल मातंगा नदी पार करके ही पहुंचा जा सकता है जो बहुत ही मुश्किल कार्य है, क्योंकि आज तक नदी पर कोई पुल नहीं बना है। मानसून के दौरान नदी में बाढ़ आ जाती है। केवीआईसी के वित्तीय सहायता से वर्कशेड को नवीनीकृत किया गया है। वर्कशेड योजना का व्यापक उद्देश्य ही खादी कारीगरों को बेहतर कार्य क्षमता के साथ बेहतर कार्य साधन प्रदान करना है जो अंततः उनकी उत्पादकता में सुधार करेगा।

एमएसएमई मंत्री ने गांवों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नवोन्मेषी एवं परिवर्तनकारी नीतियां बनाने का आह्वान किया

06 फरवरी 2021, दिल्ली: केंद्रीय एमएसएमई और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने ग्रामीण क्षेत्रों के अनुकूल अनुसंधान आधारित प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल और नवाचार के माध्यम से गांवों में टिकाऊ एवं परिवर्तनकारी बदलाव के प्रयास का आह्वान किया। महाराष्ट्र में वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने रेखांकित किया कि ग्रामीण उद्योगों और खादी के माध्यम से वार्षिक आधार पर लगभग 88,000 करोड रुपए के व्यवसाय का सृजन होता है। उन्होंने कहा कि इसमें और वृद्धि की जा सकती है यदि नीतियां अनुकूल और इनोवेटिव हो तथा उनका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन स्तर को सुधारना हो। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ग्रामीण उद्योगों द्वारा उत्पादित किए जा रहे उत्पादों की बिक्री और बेहतर ढंग से हो सकती है यदि उनकी मार्केटिंग बेहतर ढंग से की जाए तो।

महात्मा गांधी, विनोबा भावे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण के दर्शन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इन महान नेताओं का लक्ष्य एक था- ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों के जीवन स्तर को सुधारना। उन्होंने कहा कि जब तक ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार सृजन और पर्याप्त सुविधाओं को सुनिश्चित करने के उपाय नहीं ढूँढ़े जाते तब तक इन नेताओं के स्वप्न साकार नहीं होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सही ढंग से विकास न करने के कारण आजादी के बाद से देश की ग्रामीण जनसंख्या की 30% आबादी पलायन करती रही है।

श्री गडकरी ने कहा कि एमएसएमई, देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30% का योगदान करती है और लगभग 6.5 करोड एम एस एम ई इकाइयां हैं। सरकार का लक्ष्य है कि यह योगदान बढ़कर 40% हो और ग्रामीण गरीब लाभान्वित हों। उन्होंने जोर दिया कि नीतियां ऐसी बनाई जानी चाहिए जो गरीबों को सशक्त करें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम पश्चिमीकरण के पक्ष में नहीं हैं लेकिन हम अपने गांवों के आधुनिकीकरण के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि यह समय सामाजिक-आर्थिक बदलाव का समय है।

Emulsion Paint

Distemper Paint

गाय के गोबर से खादी प्राकृतिक पेंट का बनता आधार; केवीआईसी ने पीएमईजीपी के तहत 6 महीने में 500 नए संयंत्र की स्थापना की

गाय के गोबर से बने अभिनव खादी प्राकृतिक पेंट का आधार तेजी से बढ़ रहा है जो देश भर में एक बड़े पैमाने पर रोजगार का प्रसार करने के लिए तैयार है। इस नवाचार से अधिकतम लोगों को लाभान्वित करने में सक्षम बनाने के लिए, केवीआईसी ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत इस परियोजना को शामिल किया है, जो रोजगार सृजन हेतु केंद्र सरकार की एक प्रमुख योजना है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अगले छह महीनों में संभावित उद्यमियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृत पेंट की कम से कम 500 विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है।

इसके लॉन्च के सिर्फ एक महीने में, खादी प्राकृतिक पेंट की 5000 लीटर (लगभग) की बिक्री हुई है और 275 संभावित उद्यमियों ने गोबर पेंट बनाने के प्रशिक्षण के लिए कुमारप्पा राष्ट्रीय हस्तनिर्मित कागज संस्थान में अपना नाम पंजीकृत किया है। जबकि 84 आवेदकों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है; शेष उम्मीदवार का प्रशिक्षण 31 मार्च तक पूरा हो जाएगा। 12 जनवरी 2021 को माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा खादी प्राकृतिक पेंट लॉन्च किया गया। प्राकृतिक पेंट बनाने के इच्छुक आवेदकों को खादी और ग्रामोद्योग आयोग की एक इकाई कुमारप्पा राष्ट्रीय हाथ कागज संस्थान, जिसने पेंट विकसित किया है, 5-दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान कर रही है।

खादी प्राकृतिक पेंट की आपूर्ति बनाए रखने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने नई दिल्ली, वाराणसी, अहमदाबाद, नासिक, बेंगलुरु और ओड़ीसा के चौद्वार में 6 अन्य खादी प्राकृतिक पेंट विनिर्माण इकाइयों की स्थापना करेगा। खादी और ग्रामोद्योग आयोग जल्द ही प्राकृतिक पेंट के लिए डीलरशिप की पेशकश करेगा जिससे व्यापारियों को फायदा होगा।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि खादी प्राकृतिक पेंट देश में ग्रामीण रोजगार सृजन को गति प्रदान करेगा। "500 नए पेंट विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के साथ कम से कम 6000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। जबकि इससे

किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी; यह पेंट निर्माण की मशीनों के विनिर्माण और बिक्री जैसे नए व्यवसाय के मार्ग भी प्रशस्त करेगा। श्री सक्सेना ने कहा कि इससे स्थानीय उत्पादन को संबल मिलेगा और माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी।

500 प्राकृतिक पेंट निर्माण इकाइयों की स्थापना हेतु प्रत्येक संयंत्र के लिए 19 लाख रुपये (लगभग) की दर से 100 करोड़ रुपये (लगभग) के निवेश की आवश्यकता होगी। इस राशि में से 60 करोड़ रुपये (लगभग) डबल डिस्क रिफाइनरी, ट्विन शाफ्ट मशीन, ब्लेंडर, पग मिल इत्यादि जैसी मशीनरी पर खर्च होंगे, इसलिए यह मशीन बनाने के उद्योग को भी प्रोत्साहन देगा। वहीं, 500 लीटर प्रतिदिन की क्षमता वाली 500 पेंट निर्माण इकाइयां सालाना लगभग 7.5 करोड़ लीटर प्राकतिक पेंट का उत्पादन कर सकेंगी। इसके लिए लगभग 2.25 करोड़ किलोग्राम या 22,500 मीट्रिक टन गोबर की आवश्यकता होगी जो देश भर के किसानों और गौशालाओं के लिए 11.25 करोड़ रुपये (लगभग) की अतिरिक्त आय उत्पन्न करेगा और इस प्रकार उनकी वित्तीय स्थिरता में इजाफा करेगा।

केवीआईसी द्वारा दिल्ली पुलिस को खादी सिल्क साड़ियों की आपूर्ति की शुरुआत

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2021: **खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने दिल्ली पुलिस को 850 उत्कृष्ट खादी सिल्क साड़ियों की आपूर्ति की है। इन साड़ियों को विभिन्न कार्यालयों में तैनात दिल्ली पुलिस बल के महिला फ्रंट डेस्क अधिकारी पहनेंगी।**

खरीद ऑर्डर प्राप्त होने से 2 महीने से कम समय में दिल्ली पुलिस को 25 लाख रुपये से अधिक की साड़ियाँ आपूर्ति की गयी हैं। ड्युल-टोन साड़ियाँ उच्च गुणवत्ता वाले टस्सर-कटिया सिल्क से बनाए जाती हैं। पश्चिम बंगाल में पारंपरिक कारीगरों द्वारा साड़ियों को बुना जाता है जो टस्सर - कटिया सिल्क बनाने में माहिर हैं। साड़ी का नमूना दिल्ली पुलिस द्वारा प्रदान किया गया, जो तदनुसार केवीआईसी द्वारा विकसित किया गया है और इन्हें दिल्ली पुलिस द्वारा अनुमोदित किया गया। साड़ियों में गुलाबी रंग प्राकृतिक रंग टस्सर सिल्क और कटिया सिल्क का मिश्रण है।

टस्सर-कटिया सिल्क एक डुअल-टोन वस्त्र है जिसे टस्सर और कटिया रेशम के मिश्रण से बनाया जाता है और इसे टस्सर और कटिया दो अलग-अलग धागों का उपयोग करके बनाया जाता है। मोटी और भारी बनावट से इसकी पहचान की जाती है। इसकी खुदरा बनावट और छिद्रपूर्ण बुनाई इस वस्त्र को सभी मौसमों में पहनने के लिए एकदम सही बनाती है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा खरीद ऑर्डर यह विभिन्न सरकारी एजेंसियों में खादी की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है। "खादी एक पथप्रदर्शक है। हमारे फ़ोर्स में खादी वस्त्र का उपयोग करने से आम लोगों के बीच इसकी लोकप्रियता बढेगी। उसी समय, ऐसे प्रतिष्ठित ऑर्डर खादी कारीगरों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है, श्री सक्सेना ने कहा कि साड़ियों की आपूर्ति को उच्च प्राथमिकता दी गई है और ऑर्डर की आपूर्ति समय के भीतर की गई है। श्री सक्सेना ने आगे कहा कि "इन साड़ियों को दिल्ली पुलिस की महिला फ्रंट डेस्क अधिकारियों द्वारा उपयोग में लाया जाएगा जो दैनिक आधार पर आम जनता के साथ काम करते हैं। यह खादी की स्वीकार्यता को और बढ़ाएगा।"

पूर्व में, केवीआईसी ने भारतीय रेल, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारतीय डाक विभाग, एयर इंडिया और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ बेडशीट और यूनिफार्म सहित अन्य खादी उत्पादों की आपूर्ति करने के लिए समझौता किया। केवीआईसी, एयर इंडिया के 'क्रू' सदस्यों और कर्मचारियों के लिए यूनिफार्म तैयार कर रहा है। खादी इंडिया ने देशभर में 90,000 से अधिक डाकियों/ महिला डाक कर्मचारियों के लिए वर्दी डिजाइन की है और उन्हें तैयार किया है जो अब ऑनलाइन भी उपलब्ध है।

बापू की पुण्यतिथि पर आयोग ने मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल में 1650 खादी कारीगरों को सशक्त बनाया

जब पूरा देश 73 वीं पुण्यतिथि पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दे रहा था, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, पश्चिम बंगाल में ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बना रहा था। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 1650 कारीगर परिवारों ने खादी की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के साथ जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम बढ़ाया है, जिसका राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जीवन भर प्रचार किया।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने खादी कताई और बुनाई गतिविधियों से जुड़े कारीगरों को 825 न्यू मॉडल चरखे, 50 रेशम चरखे, 235 आधुनिक करघे, 120 रीलिंग मशीनें और 95 रेडीमेड परिधान बनाने के मशीनें वितरित की हैं। केवीआईसी के अध्यक्ष ने आयोग की प्रमुख कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत मुर्शिदाबाद में कुम्हारों को 80 विद्युत चालित कुम्हारी चाक और अन्य उपकरण भी वितरित किए।

मुर्शिदाबाद में स्थानीय सूती और रेशम उद्योग को सशक्त बनाने के उद्देश्य से चरखे, करघे और सिलाई मशीनों का वितरण किया गया है, जिसका मलमल कॉटन और शहतूत व

टस्सर सिल्क जैसे विशेष वस्त्र के उत्पादन का शानदार इतिहास रहा है। केवीआईसी ने मुर्शिदाबाद में खादी के उत्पादन से जुड़ी 23 खादी संस्थाओं को मजबूत करने के लिए 20 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है। माल्दा में केवीआईसी के बड़े पैमाने पर रोजगार अभियान के एक दिन बाद ही विकास की शुरुआत हुई, जहां 2250 लाभार्थियों को उन्नत उपकरण वितरित किए गए । पश्चिम बंगाल में शुरू की गई रोजगार गतिविधियां प्रधानमंत्री के "आत्मनिर्भर भारत" और "वोकल फॉर लोकल" अभियान के आह्वान को बढ़ावा देगी।

विद्युत कुम्हारी चाक का वितरण, कुम्हारों समुदाय को सशक्त बनाने और कुम्हारी कला को पुनर्जीवित करने के लिए किया गया। 15 दिनों के प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद कुम्हारों को यह उपकरण वितरित किए गए।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि गांधीजी की पुण्यतिथि पर 1650 ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बनाना राष्ट्रपिता को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है, इससे भारतीय गांव सुदृढ़ बनेंगे। "गाँधी जी के लिए खादी केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का एक उपकरण था। खादी के माध्यम से ग्रामीण पुनरुत्थान महात्मा गांधी का सपना था और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी उस सपने को पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं। अध्यक्ष महोदय ने कहा कि गांधीजी की पुण्यतिथि पर 1650 ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बनाना बापू को श्रद्धांजलि देने का इससे बेहतर तरीका और दूसरा कोई नहीं हो सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि हर हाथ को रोजगार मुहैया कराना प्रधानमंत्री का विजन है और विगत 5 वर्षों में, केवीआईसी ने पश्चिम बंगाल में खादी संस्थाओं और कारीगरों को मजबूत करने के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं।

इस अवसर पर उपस्थित कई लाभार्थियों ने केवीआईसी को ग्रामीण उद्योगों का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया, जो उन्हें स्थायी आजीविका प्रदान कर रहे हैं। कई कतिनों और बुनकरों ने कहा कि आधुनिक चरखे और करघे के वितरण से उनकी उत्पादकता में काफी वृद्धि होगी और उन्हें बेहतर आजीविका अर्जित में मदद मिलेगी|

इसी तरह, एक कुम्हार कारीगर ने कहा कि विद्युत चालित कुम्हारी चाक से वह प्रतिदिन कम से कम 2000 मिट्टी के दीये बनाने में सक्षम हैं, जिससे उसके उत्पादन के साथ-साथ आय में 4 गुना तक की वृद्धि हुई है। कई अन्य कुम्हार जिन्होंने कठिन शारीरिक श्रम और वित्तीय अस्थिरता के कारण कुम्हारी काम छोड़ दिया है, उन्हें भी केवीआईसी द्वारा लाभान्वित किया गया है।

खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र में सरकार की पहल

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, उत्तर-पूर्व क्षेत्र में रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है:
- विनय कुमार सक्सेना

गुवाहाटी,13 फरवरी, 2021 : खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार श्री विनय कुमार सक्सेना ने आज यहां आयोजित एक संवादाता सम्मेलन के दौरान बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार की विकास गतिविधियों को हिस्से के रूप में उत्तर पूर्वी क्षेत्र में खादी और ग्रामीण उद्योगों के माध्यम से बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत रहा है | केवीआईसी के माध्यम से भारत सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों को उजागर करने के लिए श्री सक्सेना एक प्रेस सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

विभिन्न विकास गतिविधियों पर बोलते हुए अध्यक्ष महोदय ने कहा कि उत्तर पूर्व क्षेत्र अब केवीआईसी के विशेष फोकस क्षेत्रों में से एक है, जहां एक ओर इस क्षेत्र में जबरदस्त संभावनाएं हैं और खादी गतिविधियां ग्रामीण क्षेत्रों में विकास का एक परिदृश्य खोलेगी, जहां गांधीवादी तरीके से ग्रामीण का पुनर्निर्माण करने के लिए लाखों कारीगर सपने बुन रहे हैं। श्री सक्सेना ने देश में खादी उद्योग के विकास के बारे में बात करते हुए वर्तमान में केवीआईसी पूरे भारत में 29% की औसत वृद्धि देख रहा है। उन्होंने आगे कहा कि खादी के विकास से रोजगार का सृजन करने में मदद हो रही है, जो निश्चित रूप से संतोषजनक है। उन्होंने आगे यह भी बताया कि उत्पादन बढ़ाने और देश के दुर्गम क्षेत्रों में भी पहुंचने के लिए सरकार द्वारा कई पहल की जा रही हैं।

खादी उद्योगों के विकास के लिए प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, श्री सक्सेना ने कहा कि पारंपरिक उद्योगों को अधिक उत्पादक और प्रतिस्पर्धी बनाने और उनके सतत विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए, भारत सरकार पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए निधि योजना क्रियान्वित कर रही है। देश में दूरस्थ स्थानों में कुम्हारी क्षेत्र में कार्यरत कुम्हार समुदायों को सशक्त बनाने के लिए केवीआईसी की पहल, कुम्हार सशक्तिकरण योजना (केएसवाई) के बारे में बात करते हुए अध्यक्ष महोदय ने कहा कि केवीआईसी ने कुम्हारों के उत्पादों की बिक्री करने के लिए रेलवे के साथ टाई-अप कर उचित विपणन चैनल बनाए हैं।

हनी मिशन के बारे में बात करते हुए श्री सक्सेना ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अवसरों को देखा और प्राधिकारियों को मिशन मोड में स्वीट क्रान्ति के रूप में बड़े पैमाने पर शहद उत्पादन लेने के लिए देश के जनजातीय क्षेत्रों और पिछड़े जिलों में रोजगार सृजन करने की संभावनाओं का पता लगाने की सलाह दी।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभारी डॉ. सुकुमल देब ने मीडिया को उत्तर-पूर्व क्षेत्र में केवीआईसी की गतिविधियों और विभिन्न पहलों के बारे में जानकारी दी।

केवीआईसी के सदस्य, उत्तर-पूर्व क्षेत्र श्री डूयु तमो भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

यह प्रेस कॉन्फ्रेंस, प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो, गुवाहाटी के संयुक्त निदेशक श्री सम्राट बंदोपाध्याय द्वारा संचालित किया गया, इसमें क्षेत्र के कई मीडिया पत्रकारों ने भाग लिया।

खादी का विकास सुदृढ़ है

13 फरवरी, 2021 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित किया।

अपने संबोधन के दौरान आयोग के अध्यक्ष ने मीडिया को देश भर में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के द्वारा चलाए जा रहे खादी और ग्रामोद्योगी कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी । खासकर ऐसे कार्यक्रमों के बारे में जो पूर्वोत्तर राज्यों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि खादी और ग्रामोद्योगों के विकास ने 2014 में छह प्रतिशत से अब 29 प्रतिशत तक की छलांग लगाई है। शहर के होटल में मीडिया को संबोधित करते हुए श्री सक्सेना ने कहा, "हम खादी अपनाने के लिए विभिन्न मंत्रालयों, स्कूलों, विश्वविद्यालयों और अन्य निकायों से संपर्क कर रहे हैं । कुछ संस्थानों ने हमारी याचिका स्वीकार कर ली है। जिसके तहत अब सभी अर्धसैनिक बल अपने कैंटीन में खादी उत्पादों को अपना रहे हैं।

उन्होंने आगे बताया कि पीएमईजीपी के तहत 2.28 लाख लोगों को रोजगार प्रदान किया गया । पारंपरिक उद्योगों को अधिक उत्पादक और प्रतिस्पर्धी बनाने और उनके सतत विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सरकार , पारंपरिक उद्योगों का पुनर्सृजन करने हेतु निधि योजना(स्फूर्ति) कार्यांवित कर रही है। श्री सक्सेना के अनुसार- केवीआईसी के अन्य कार्यक्रम, केंद्रीय क्षेत्र की एक योजना 'पारम्परिक उद्योगों का पुनर्सृजन करने हेतु निधि योजना', के तहत जिसमें शहद मिशन की भी शुरुआत की गयी है, जिसके लिए केवीआईसी को 49.78 करोड़ रुपये की मंजूरी बेरोजगार युवकों की आय बढ़ाने के लिए की गई है और 2018 में शुरू की गयी कुम्हार सशक्तिकरण योजना (केएसवाई), कुम्हार समुदाय को उन्नत करने के लिए एक पहल है , इसके लिए 29.31 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की गई।

●●●●

आयोग के नव नियुक्त सदस्य श्री बसंत कुमार - उत्तर क्षेत्र, श्री मनोज कुमार सिंह-पूर्व क्षेत्र, श्री श्री दुय तमो, उत्तर-पूर्व क्षेत्र और श्री श्री दिलीप पेशावे, सदस्य, तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षण ने 18.02.2021 को आयोग के बोरीवली, मुंबई स्थित सी.बी. कोरा ग्रामोद्योग प्रशिक्षण संस्थान का दौरा किया, जहां संस्थान के निदेशक/ प्राचार्य द्वारा नव नियुक्त सदस्यों का स्वागत किया गया।

इम्पीरियल एस्टेट, गुवाहाटी में 11वें वार्षिक मेगा इवेंट 'सेलिब्रेटिंग नार्थ ईस्ट' का आयोजन

गुवाहाटी शहर की सभी सड़के 9 फरवरी, 2021 की शाम मैजेस्टिक इम्पीरियल एस्टेट्स के भव्य आयोजन को बयां कर रही थीं। अपने प्रतिष्ठित ग्यारहवें वर्ष में बहुप्रतीक्षित वार्षिक मेगा इवेंट 'सेलिब्रेटिंग

नार्थ ईस्ट' शहर के शीर्ष फैशन प्रिय, मीडिया, व्यवसाय जगत के शीर्ष माननीयों, शीर्ष नौकरशाहों के साथ आश्चर्यजनक सफलता लिए हुआ था।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने वाले श्री एम.सी. देबज्योति दासगुप्ता को और एनईआईईएफटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विक्रम राय मेधी को मंच पर आमंत्रित किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपने ११ वें संस्करण के इस मेगा कार्यक्रम के बारे में विस्तृत रूप में जानकारी प्रदान

की और विश्व स्तर पर उत्तर-पूर्व फैशन उद्योग के प्रचार में खादी और हैंडलूम की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर डॉ. शाह मोहम्मद तनवीर मंसूर बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त, श्री डीयूयू तमो, केवीआईसी के उत्तर-पूर्व सदस्य और डॉ. सुकमल देब, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी-केवीआईसी विशेष आमंत्रित सदस्य के रुप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में सभी गणमान्य लोगों ने उत्तर-पूर्व क्षेत्र के विकास में खादी और हाथकरघा के महत्व के बारे में बताया। उत्तर-पूर्व क्षेत्र के कुटीर उद्योगों को इस तरह के मेगा आयोजनों द्वारा तैयार किए गए व्यापक मंच से और सकारात्मक प्रचार से बहुत लाभ होगा, सभी गणमान्य व्यक्तियों ने इस

सम्बन्ध में अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

80 फीट लंबे एक प्रभावशाली रैंप के साथ संगीत और नृत्य ने इस भव्य स्टेज पर अपना ऐसा समा बंधा, जब अभिनेत्री-गायिका ऋचा भारद्वाज ने उत्कृष्टतापूर्वक सभी को अपने गीतों से मंत्रमुग्ध किया और एक्सोमिया फिल्म उद्योग के उदय शंकर ने अपने डांसर्स की सुंदर टीम के साथ इसकी कोरियोग्राफी की।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के सहयोग से एनईआईएफटी ने आठ प्रमुख डिज़ाइनर-नंदिनी बोरकाकटी, प्रियंका डी. पटोवरी, मोमी बोरहा कलिता, जाह्नवी स्वरगियारी, बिद्युत बिकास भगवती, ज्योति और कश्मीरी, कबीता बरुआ मेधी और मनोज दास को पेश किया। उन्होंने, खादी, हाथकरघा और रेशमी पोशाकों के संग्रह के माध्यम से अपने अपनी भव्य प्रस्तुति के बारे में जानकारी प्रदान की।

डिजाइनरों के प्रतिभाशाली समूह ने क्षेत्र के पुराने अभिप्राय पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी विस्मयकारी प्रेरणा प्रस्तुत की। प्रसिद्ध अभिनेता जैसे एमी बरुआ, अभिनेता मूनमी फुकन, अभिनेता देबाश्री गोगोई, गायक अभिष्रुति बेजबरुआ और अन्य अतिथियों ने भीड़ की तालियों की गड़गड़ाहट के साथ शोस्टॉपर्स के रूप में रैंप पर कदम रखा। गुवाहाटी में फैशन शो के इतिहास में पहली बार दर्शकों ने रैंप पर एक साथ चालीस से अधिक प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मॉडल देखे गए।

विभिन्न अन्य सरकारी और गैर-सरकारी संगठन जैसे असम गैस कंपनी, डीएनपीसी लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक, टोप्सम सीमेंट टोनी एंड गुय एवं अन्य इस आयोजन में सहयोग करने और सफल बनाने के लिए आगे आए।

मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी द्वारा राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी आयोजित

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, वाराणसी द्वारा माघ मेला ग्राउंड, प्रयागराज में 09.02.2021 से राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में 12 राज्यों के पीएमईजीपी इकाइयों और खादी संस्थाओं ने अपने

विभिन्न आकर्षक उत्पादों जैसे खादी सूती, रेशमी, ऊनी, पॉली, सोलर वस्त्र तथा ग्रामोद्योगी वस्तुओं जैसे ऑर्गेनिक शहद, हर्बल उत्पाद, चमड़े के उत्पाद, अचार, मिट्टी के बर्तन, साबुन, शैम्पू आदि के साथ भाग लिया।

हुबली में पीएमईजीपी की समीक्षा बैठक आयोजित

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, हुबली ने 11 फरवरी, 2021 को हुबली में प्रधान मंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की।

आयोग के मण्डलीय निदेशक, हुबली श्री एस.एस. तांबे ने अपने संबोधन में बताया कि मंडल कार्यालय, हुबली के अधिकार क्षेत्र के तहत पीएमईजीपी के प्रदर्शन ने 06.02.2021 को 409 करोड़ रुपये के लक्ष्य के समक्ष 84% लक्ष्यांक हासिल किया है। चालू वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान मार्जिन मनी (सब्सिडी) के उपयोग के संदर्भ में और योजना के कार्यान्वयन में सक्रिय सहयोग और समर्थन के लिए सभी कार्यान्वयन एजेंसियों और बैंकर्स की सराहना की। आगे यह भी सूचित किया कि केवीआईसी ने लक्ष्य के समक्ष 124% मार्जिन मनी का उपयोग किया और सभी कार्यान्वयन एजेंसियों, विशेषकर बैंकों से अनुरोध किया है कि वे 100% लक्ष्य प्राप्त करने के लिए उनके पास लंबित आवेदनों का तत्काल निपटान करें।

कर्नाटक राज्य में आरसेटी के राज्य निदेशक श्री रामकृष्ण बी. माने ने अपने संबोधन में बताया कि केवीआईसी का एक हिस्सा बनना बहुत ही प्रसन्नता की बात है जो एक महान सामाजिक कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि वे पिछले 40 वर्षों से संगठन से जुड़े हुए हैं और केवीआईसी के विभिन्न योजनाओं के एक भाग के रूप में जुड़े हैं। लेकिन,पीएमईजीपी एक ऐसी योजना है जिसने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया और देश की अर्थव्यवस्था के समग्र सुधार के लिए इस योजना ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। इसके अलावा, बैठक में कार्यान्वयी एजेंसियों से अनुरोध किया कि वे समयबद्ध तरीके से लंबित ईडीपी प्रशिक्षण देने के लिए संबंधित आरएसईटीआई/ आरयूडीईएसटीआई को उम्मीदवारों की सूची भेजें।

देहरादून में 'हनी एक्स्ट्रेक्टर व टूल्स किट' वितरित

आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून (उत्तराखंड) ने 2 फरवरी 2021 को उधमसिंह नगर, उत्तराखंड स्थित ग्राम तोता बेतिया में, एक स्व सहायता समूह के 10 लाभार्थी शामिल को 100 मधुमक्खी बॉक्स के साथ शहद निकालने वाले 2 उपकरण और टूल किट वितरित किए।

पंजाब जेल के कैदियों को कताई में प्रशिक्षण देने के लिए बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र, दहानू की पहल

पंजाब जेल के कैदियों को कताई में प्रशिक्षण देने के लिए, आयोग के बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र, दहानू द्वारा पंजाब राज्य की खादी संस्थाओं के सहयोग से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में आयोग के प्रशिक्षण केन्द्र, दहानु ने पंजाब की खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ पंजाब जेल के पदाधिकारियों के चर्चा की गयी।

आयोग के राज्य कार्यालय, बैंगलोर द्वारा 11 फरवरी, 2021 को एमबीआई के तहत बंगलौर ग्रामीण जिला के मयलनहल्ली गांव, देवनाहल्ली तालुका में कुम्हारी कारीगरों हेतु विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया |

आरएसईटीआई, पीएनबी, अंबासा, धलाई, त्रिपुरा में 20.02.2021 से 3 स्व सहायता समूह के 30 लाभार्थियों के लिए मधुमक्खी पालन पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया।

त्रिपुरा में जिला धलाई के मन्नामा मॉनू ब्लॉक में दिनांक 20.02.21 से4 स्व सहायता समूह के 40 कारीगरों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, इसमें धलाई जिले के ज़िलाधिकारी और टीआरएलएम अधिकारियों ने भाग लिया।

जम्मू और कश्मीर में केवीआईसी ने पीएमईजीपी के तहत 100 % से अधिक लक्ष्य प्राप्त किया

फरवरी: वर्तमान वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान आयोग के राज्य कार्यालय, जम्मू और कश्मीर ने पीएमईजीपी में अपना लक्ष्यांक प्राप्त किया। चालू वर्ष के दौरान केवीआईसी, जम्मू और कश्मीर को 2636 परियोजनाओं का लक्ष्य आवंटित किया गया था, जिसके तहत 81.41 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी का संवितरण और 21088 व्यक्तियों के लिए रोजगार का सृजन हुआ। केवीआईसी ने राज्य में लक्ष्यांक के सापेक्ष 105.08 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी के संवितरण के साथ 5034 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान कर 49576 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया गया। इसके अलावा, 2020-21 के दौरान बैंक का ऋण प्रवाह 31 दिसंबर, 2020 तक 320 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

आयोग के राज्य कार्यालय, बैंगलोर द्वारा 1 फरवरी, 2021 को लक्ष्मीपुरा ग्राम, कोलार जिला, कर्नाटक में एमबीआई के तहत कुम्हारी गतिविधियों पर 10 दिवसीय कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

1 फरवरी, 2021 से लक्ष्मीपुरा ग्राम, कोलार जिला, कर्नाटक में एमबीआई के तहत कुम्हारी गतिविधियों पर आयोजित 10 दिवसीय कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ । 10 फरवरी 2021 को आयोजित विदाई समारोह के अवसर पर प्रशिक्षित कुम्हारी कारीगरों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक और प्रमाण पत्र वितरित किये गए।

प्रशिक्षण और कार्यशाला

12 फरवरी, 2021 को रणदेवीवाडी, यलगूद कोल्हापुर ट्रेडिशनल ज्वेलरी क्लस्टर, यलगुद में सॉफ्ट इंटरवेंशन का दूसरा बैच।

स्फूर्ति योजना के तहत स्वीकृत झाड़ू एवं अगरबत्ती उत्पादन क्लस्टर में 250 कारीगरों को शामिल कर, सामान्य सुविधा केन्द्र निर्माण, सॉफ्ट इंटरवेंशन ट्रेनिंग, सोलापुर जिला में सीडीई आदि के चयन हेतु 12 फरवरी 2021 को कार्य योजना को मंजूरी देने के लिए कार्य समिति की बैठक संपन्न हुई।

आयोग के सदस्य, दक्षिण क्षेत्र श्री शेखर राव पेरला ने 16 फरवरी 2021 को सी.बी. कोरा केंद्र, बोरीवली का दौरा किया और वहां पर उपस्थित सभी का उचित मार्गदर्शन किया और उन्नत ब्यूटी पार्लर के प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

इन्होंने अपनी एक अलग सोच से एक सफ़ल उद्यमी बनने का मार्ग प्रशस्त किया

भारत में महिला उद्यमियों की संख्या में वृद्धि हो रही है और उनकी सफलता की कहानियां लाखों लोगों को प्रेरित करती रहती हैं। महिला उद्यमियों के बेहतर प्रदर्शन करने और नये उद्यमों के क्षेत्र में अपना मार्ग खोजने के लिए हाल के दिनों में इस संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। सुश्री योगिता चौहान और सुश्री चैताली को केवीआईसी के माध्यम से अपने उद्देश्यों को पूरा करने का अवसर मिला और इन्होंने रूढ़िवादी धारणाओं को चुनौती देते हुए इन उद्यमों का चयन किया। प्रसाधन और सौंदर्य उत्पादों से लेकर घर के सजावटी वस्तुओं और मिट्टी के वस्तुओं का महिलाएं सफलतापूर्वक अपना उद्यम चला रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हम उन महिलाओं की कुछ प्रेरणादायी कहानियों का जश्न मनाते हैं जिन्होंने अपनी सफलता की यात्रा शुरू करने के लिए उद्यमिता को एक विकल्प के रूप में चुना। उनमें से कई महिलाएं उच्चतम स्तर पर पहुंची हैं जिन्होंने अपने व्यवसायों के माध्यम से उद्यमशीलता और धैर्य की अद्भुत कहानियां लिखी हैं और लिख रही हैं। इनमें से कुछ का उल्लेख यहां किया जा रहा है –

योगिता चौहान

श्रीमती योगिता चौहान ने शिमला विश्वविद्यालय से एमए की डिग्री हासिल की है। योगिता अपने सभी दोस्तों की तरह कॉरपोरेट जगत में रोजगार की तलाश में थी। संघर्ष करने के पश्चात् उन्हें यह महसूस हुआ कि इस क्षेत्र में उन्हें सफलता प्राप्त नहीं हो सकती है। बचपन से ही उन्हें चॉकलेट बनाने का शौक था, इस वजह से वह तरह-तरह के चॉकलेट बनाने का प्रयास करती रही और वह चोकलेट के आकर्षक रंगों और अविश्वसनीय स्वाद से अपने परिवार को प्रभावित करती है। उन्होंने अपने बचपन के इस शौक को एक आकर्षक व्यवसाय में बदलने का निर्णय लिया।

उन्होंने, यूको बैंक, आरएसईटीआई, शिमला के निदेशक से सम्पर्क किया और अपनी प्रस्तावित परियोजना पर उनकी सलाह ली गई। प्रोजेक्ट की संभावनाओं

को देखते हुए, निदेशक ने उन्हें प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत वित्तीय सहायता लेने का सुझाव दिया, जिसमें उन्होंने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए पीएमईजीपी के तहत केनरा बैंक, शिमला से रु. 4,75000 / - के ऋण के लिए आवेदन किया। ऋण स्वीकृत करते समय बैंक ने उन्हें पीएमईजीपी ईडीपी प्रशिक्षण के लिए, यूको आरएसईटीआई, शिमला में पुनर्निर्देशित किया।

प्रशिक्षण पूरा होने के पश्चात उन्होंने स्वयं की 25000/ - रुपये सहयोग राशि देकर केनरा बैंक से उक्त ऋण की सहायता से अपनी चॉकलेट मैन्युफैक्चरिंग इकाई स्थापना की।

उन्होंने आकर्षक गिफ्ट पैक में चॉकलेट्स रैप करने का एक अनोखा विचार विकसित किया। अब वह न केवल शिमला शहर में ही बल्कि शिमला और उसके आसपास के क्षेत्रों में भी चॉकलेट की आपूर्ति कर रही है।

वह जिन उत्पादों का निर्माण कर रही है, उनकी गुणवत्ता ने उन्हें ग्राहकों का विश्वास जीतने में सक्षम बनाया है और क्षेत्र में अपने उत्पादों के लिए एक बेहतर मांग पैदा की है। अब वह एक सफल व्यवसाय कर रही है और बैंक ऋण और अन्य सभी खर्चों को पूरा करने के पश्चात् 30,000/ - रुपये की मासिक आय अर्जित कर रही है। उन्होंने अपनी इकाई में 2 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया है। वह अपने जीवन को सही दिशा देने के लिए पीएमईजीपी, केवीआईसी के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करती है।

चैताली प्रसाद पवार

सुश्री चैताली, हमेशा से एक अलग सोच में विश्वास रखती थीं, वह रोजाना 9 से 5 की नौकरी करने के बजाय अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहती थीं। उन्होंने फैक्ट्री सुपरवाइजर के रूप में काम किया। वाणिज्य में स्नातकोत्तर होने के कारण उन्हें अच्छा व्यावसायिक ज्ञान भी था।

उन्होंने 2020-21 में भारत सरकार की पीएमईजीपी योजना के तहत बैंक ऑफ इंडिया, करेलीबाग, वडोदरा से 25.00 लाख रुपये का बैंक ऋण लेने के पश्चात् गत्ते से बॉक्स बनाने का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया।

अपनी बुद्धिमत्ता, कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ वह

सफलता की सीढ़ी चढ़ने लगी और उन्हें इस व्यवसाय में तीन गुना प्रगति करने में ज्यादा समय नहीं लगा और उनका व्यवसाय रु. 81.00 लाख तक पहुँच गया। वह लगभग 22 व्यक्तियों को रोजगार भी प्रदान कर रही है।

वह इसके लिए मन से केवीआईसी की पीएमईजीपी योजना का धन्यवाद करती है जिसकी वजह से एक फैक्ट्री सुपरवाइजर से अब अपनी पैकेजिंग फैक्ट्री की मालकिन हैं।

प्रेस कवरेज

Thread

PIB in Assam @PIB_Guwahati

KVIC is Giving Focus to Create Employment in North East Region: V. K. Saxena
Details: pib.gov.in/PressReleasePa...
@kvicindia @ChairmanKvic @PIB_India @MIB_India @ddnews_guwahati @airnews_ghy

Tweet your reply

arunachal24.in - Posts

arunachal24.in
18 mins

TAWANG - The Governor of Arunachal Pradesh Brig. (Dr.) B.D. Mishra (Retd.) felicitated Maling Gombu and other 'Mon Shugu' local paper makers of Mogto village, who have taken the initiative to rejuvenate the age-old tradition of handmade paper at Brigade Officers Institute, Tawang on 13th February 2021. The Governor appreciated the local people for preserving and continuing the ancient tradition of local paper making....
https://arunachal24.in/arunachal-governor-felicitates-local-paper-makers/

ARUNACHAL24.IN
Arunachal- Governor felicitates local paper makers

PIB in Assam @PIB_Guwahati

KVIC Revives Assam's Historic Khadi Institution destroyed during Militancy 32 years Ago
Details: pib.gov.in/PressReleasePa...
PIC Courtesy: @kvicindia @minmsme @ChairmanKvic @PIB_India @MIB_India @ddnews_guwahati @airnews_ghy

PIB in Assam @PIB_Guwah... · 2h

KVIC Chairman Highlights the Government Initiatives in Khadi and Village Industries Sector
Details: pib.gov.in/PressReleasePa...
@kvicindia @ChairmanKvic @PIB_India @MIB_India @ddnews_guwahati @airnews_ghy

1 2 4

Khadi

Khadi products are the natural way to leading a complete life. Simplicity and purity are its catch words. So when we use Khadi products we lead simple and pure life and we begin to experience a new meaning in life.

The use of Khadi and V.I. products also promotes thousands of artisans associated with it. Thus Khadi can be said to have taken on a socially committed role also with the added role of national integration.

प्रेस कवरेज

SUNDAY, FEBRUARY 14, 2021 — CITY — THE ASSAM TRIBUNE, GUWAHATI 7

NE now a focus area of KVIC: Chairman

CITY CORRESPONDENT

Modi hails NE's century-old tradition of paper-making

Guwahati: In his monthly 'Mann ki Baat', Prime Minister Narendra Modi on Sunday highlighted the revival of 'Mon Shugu' — the thousand-year-old traditional, handmade paper of Arunachal Pradesh — used in Buddhist monasteries for religious scriptures.

In his radio programme, Modi said: "For centuries, a type of paper called 'Mon Shugu' is made in this hilly region (Tawang) in Arunachal Pradesh. The locals make this paper from the bark of a tree named Shugu Sheng, hence trees do not have to be cut. Besides, no chemical is used in the making of this paper. Therefore, it is safe for the environment and health too."

He further said: "There was a time when this paper was exported, but with modern techniques, a large amount of paper started getting made and this local art was pushed to the brink of closure. Now, a local social worker, Mallng Gombu, has made an effort to rejuvenate this art. This is also giving employment to tribal brothers and sisters there."

Tawang-based advocate and social worker Gombu (47), who had written to the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) regarding the dying paper-making craft of the state, said: "I am extremely proud and honoured that the PM mentioned our small but important 'Mon Shugu' in his address."

The Daily Guardian

AATMANIRBHAR BHARAT

KHADI PRAKRITIK PAINT FROM COW DUNG GAINS GROUND, KVIC PLANS 500 NEW PLANTS IN SIX MONTHS

CORRESPONDENT
NEW DELHI

The innovative Khadi Prakritik Paint made from cow dung is swiftly gaining ground and set to propel a massive employment surge across the country. To enable maximum people to benefit from this innovation, KVIC has included this project under the Prime Minister Employment Generation Program (PMEGP), a flagship scheme of the Central government for employment generation. Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has fixed a target of setting up at least 500 manufacturing units of Prakritik Paint in rural areas, through prospective entrepreneurs, in next six months.

In just one month of its launch, 5,000 litre (approx) of Khadi Prakritik Paint has been sold and 275 prospective entrepreneurs have registered with Kumarappa National Handmade Paper Institute (KNHPI) for training in making cow dung paint. While 84 applicants have already been trained, training of the remaining candidate will be completed by 31 March. Khadi Prakritik Paint was launched by MSME Minister Nitin Gadkari on 12th January 2021. KNHPI, a unit of KVIC which has developed the paint, is providing 5-day training to applicants in making Prakritik Paint.

KVIC will be setting up another 6 Khadi Prakritik Paint manufacturing units in New Delhi, Varanasi, Ahmedabad, Nashik, Bengaluru and Choudwar in Orissa to maintain supplies. KVIC will soon offer dealerships for Prakritik Paint that will benefit the traders.

KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena said the new Khadi Prakritik paint plants will accelerate the rural employment generation in the country. "At least 6,000 direct employment will be created with the setting up of the 500 new paint manufacturing plants. While this will significantly increase farmers' income; it will also open new business avenues like manufacturing and sale of paint manufacturing machines. This will comprehensively contribute to strengthening local production and help realise the Hon'ble Prime Minister's dream of Aatmanirbhar Bharat," Saxena said.

Setting up of 500 Prakritik Paint manufacturing units will require an investment of Rs 100 crore (approx) at the rate of Rs 19 lakh (approx) for each plant. Out of this amount, machinery like Double Disc Refinery, Twin Shaft Machine, Blender, Pug Mill, etc. account for Rs 60 crore (approx). This will, therefore, also boost the machine making industry.

At the same time, 500 paint manufacturing units of the capacity of 500 litre per day will be able to produce nearly 7.5 crore litre of Prakritik Paint annually. While this will consume approx 2.25 crore kg or 22,500 MT of cow dung, it will generate an additional income of Rs 11.25 crore (approx) to farmers and gaushalas across the country and thus adding to their financial sustainability.

Feb 13 | The Daily Guardian

NEW BOMBAY

Khadi Prakritik paint from cow dung gains ground

KVIC plans 500 new plants in 6 months under PMEGP

KVIC's role vital in NE, Gadkari tells Tamo

By Pradeep Kumar

ITANAGAR, Feb 23: Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has a vital role to play for socio-economic development of rural people, particularly in North East India, Road Transport & Highway and MSME Union Minister Nitin Gadkari told KVIC member (NE in-charge) Duyu Tamo when he called on him in his New Delhi office on Tuesday.

The face of NE region has been undergoing a vast transformation at the initiative of Prime Minister Narendra Modi government. Thus, Budget 2021-22 has increased allocation for NE states to Rs 55,820 crore from Rs 41,764 crore in 2020-21. Moreover, Rs 34,000 crore has been earmarked to build more than 1300-km National Highways in Assam alone in next three years, Tamo quoted the minister as saying.

When Tamo informed him that the KVIC finalized its annual budget for 2021-22 recently, Gadkari said that "you being from Arunachal Pradesh are well aware of the vast untapped potential of khadi and village industries sector in NE region. Thus, KVIC being a central government organization should toe the Modi policy".

Appreciating the minister for reflecting his sense of belongingness for the NE region, Tamo assured to make all possible efforts through KVIC schemes for bringing a difference in the region. Besides some senior officers, Balasore Lok Sabha member (BJP) Pratap Chandra Sarangi was also present.

...ல் ரூ.9 கோடியில் தென்னை நார் கூட்டுக்குழுமம்

மத்திய அமைச்சர் நிதின் கட்காரி துவக்கினார்

Plan to Create 5,000 MSME Clusters: Gadkari

सोशल मीडिया

फेसबुक पर

सोशल मीडिया

इंस्टाग्राम पर

• Special Day posts •

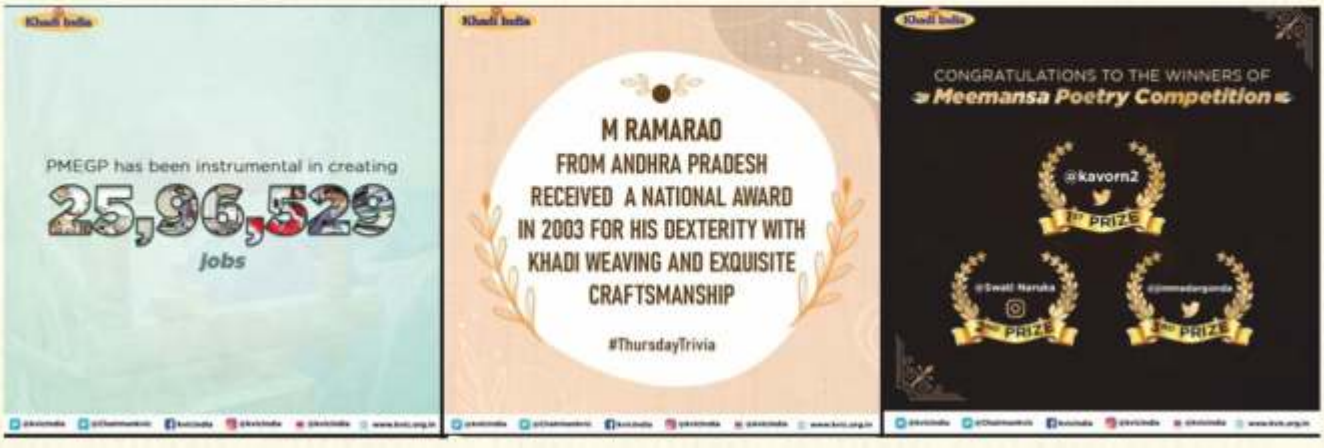

पर्यावरणानुकुल मनमोहक खादी डिजाइनर परिधान

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

Khadi India

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय,भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

"भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दि बुनतें हैं"